SESAME WORKSHOP
India

आओ पढ़ें चमकी के साथ

अपने मनपसंद रंग भरो!

जल भर

चल अब जल भर।

झट–पट भर।

अब बस पर चढ़।

डर मत।

जब बस पर चढ़।

तब फल चख।

अब खत पढ़।

मदन

मदन टमटम पर चढ़।

अब थरमस पकड़।

टमटम वाले नहर पर चल।

नहर पर बतख देख।

बरगद पर चढ़।

अब टमाटर खा और शरबत पी।

गज़ल चल

गज़ल थरमस पकड़ और शहर चल।

बहन का हाथ पकड़।

सड़क पर मत चल।

बाज़ार चल।

बाज़ार से शलगम और अदरक ले।

रथ पर चढ़।

अब घर चल।

रमा आ

रमा आ खाना खा।

दाल खा, चावल खा।

लाल–लाल टमाटर खा।

यह सब सामान अमन लाया।

अमन अनार लाया।

अमन मटर और परवल लाया।

शलगम, गाज़र और टमाटर भी लाया।

अमन यह सब बाज़ार से लाया।

पाठशाला की तैयारी

गुगली सुबह उठकर पाठशाला जाता है। दांत साफ कर और नहा कर साफ कपड़े पहनता है। बाल अच्छे से बनाता है और अपनी किताबें लेता है।

माँ गुगली को नाश्ता देती है। नाश्ता खाने के बाद गुगली अपने दोस्तों के साथ पाठशाला पढ़ने जाता है ।

मीमी का सपना

आज मीमी बहुत खुश है। आज मीमी ने एक सपना देखा। सपने में मीमी एक परी थी। मीमी ने सफेद रंग की पोशाक पहनी थी। सपने में मीमी के बड़े–बड़े पंख थे। इन पंखों से वह अपनी मन चाही जगह पर जा सकती थी।

मीमी के पास एक जादूई छड़ी भी थी। जादूई छड़ी से वह बच्चों की हर इच्छा पुरी कर सकती थी। सपने में मीमी ने एक बिल्ली को बचाया और कुछ उदास बच्चों को खूब हँसाया।

मीमी चाहती है कि वह एक दिन सच–मुच की परी बन जाए।

चिड़ियाघर की सैर

एक दिन निशा और निधी चिड़ियाघर गए।

चिड़ियाघर बहुत बड़ा था। एक झील के पास निशा ने हिरण देखा। हिरण मज़े से घास खा रहा था।

पास में झील थी। झील में मछली थी। मछली का रंग नीला और पीला था।

आगे जाकर निशा और निधी ने गीदड़ और हाथी भी देखा।

निशा और निधी ने गिलहरी और तितली को भी देखा। आज चिड़ियाघर में बहुत मज़ा आया।

बोबो

मेरे पास एक कुत्ता है। उसका नाम बोबो है। बोबो काले रंग का है, और बहुत तेज़ दौड़ता है। मेरे सभी दोस्त बोबो के साथ खूब खेलते हैं। बोबो को गेंद के साथ खेलना बहुत पसंद है। जब बोबो को भूख लगती है तो वह दूध और रोटी खाता है। मेरे दोस्त भी बोबो के लिए कभी–कभी दूध लाते हैं। सभी बोबो से बहुत प्यार करते हैं।

दोस्ती

हेतल और गुगली रोज़ स्कूल में पढ़ने जाते थे। एक दिन हेतल अपनी किताब घर भूल आई। कक्षा में टीचर ने जब कहानी पढ़ने को कही तो हेतल के पास पढ़ने के लिऐ किताब नहीं थी।

हेतल उदास हो गई। यह देख कर गुगली ने हेतल को अपने पास बुलाया और दोनों ने मिलकर किताब से कहानी पढ़ी।

टीचर हेतल और गुगली की दोस्ती देखकर बहुत खुश हुई।

बाग के खेल

हर दिन स्कूल के बाद माँ मुझे और मेरी छोटी बहन को बाग में लेकर जाती हैं। मुझे बाग में जाना पसंद है, क्योंकि वहाँ मैं अपने सभी दोस्तों से मिलती हूँ।

मुझे और मेरी बहन को गोल–गोल घुमने वाला झूला अच्छा लगता है। हमें झूले पर बहुत मज़ा आता है।

कभी–कभी हम बाग में कित–कित और छुपन–छुपाई भी खेलते हैं। छुपन–छुपाई में सब लोग छिप जाते हैं। इस खेल में बड़ा मज़ा आता है।

नूपूर और दादाजी

नूपूर के दादाजी गुजरात से आए हैं। वह रेलगाड़ी में बैठकर पटना आए, पटना में बस की टिकट ली और पुल पार कर गांव पहुँचे।

दादाजी सबके लिए उपहार लाए हैं। नूपूर के लिए तरबूज़, खरबूजा और शहतूत लाए, पापा के लिए जूता, मम्मी के लिए चुड़ी और भाई के लिए फुटबॉल लाए हैं।

नूपूर दादाजी के साथ रोज बाग में झूला झूलती है। दादाजी नूपूर को कहानी सुनाते हैं। नूपूर भी दादाजी का खूब ध्यान रखती है। रोज सुबह दातुन और गरम–गरम दूध देती है। नूपूर का मन करता है कि दादाजी हर समय उसके पास रहें।

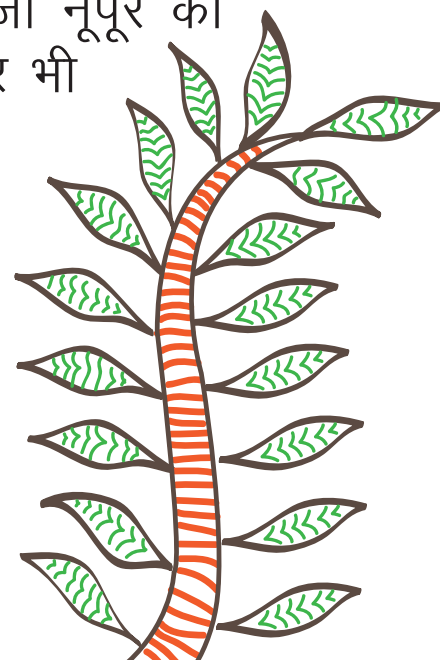

गर्मी का दिन

गर्मी के दिन थे। गुगली पीपल की छाँव में सो रहा था। गर्मी के कारण सबको आलस आ रहा था। तभी अचानक से तेज़ हवा चलने लगी और बादल हो गए।

एक ही पल में पूरा आकाश काले बादलों से भर गया। देखते ही देखते बहुत तेज़ बारिश होने लगी। हर जगह पानी भर गया। गुगली के साथ सभी दोस्त बारिश में खेलने लगे। सबने मिल कर कागज़ की नाव बनाई और पानी में नाव को तैराया। गुगली की नाव भी पानी में बहुत तेज़ चली। हवा के कारण कुछ नाव पानी में ही डूब गई। यह देख कर सभी खुब हंसे।

सभी दोस्तों ने मिलकर बहुत मज़ा किया। इस तरह एक गर्मी का दिन एक मज़े के दिन में बदल गया।

रास्ता खोजो!

चमकी की किताब खोजने में मद्द करो।

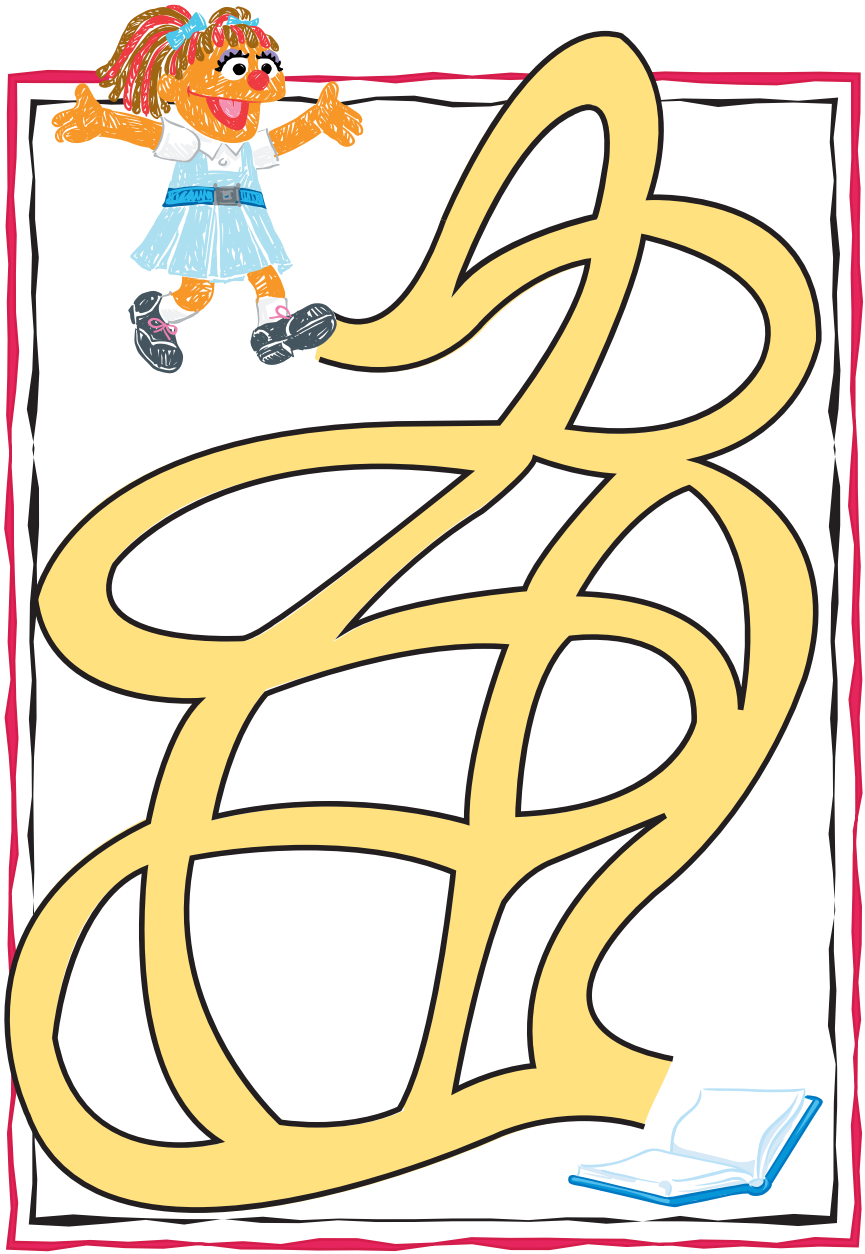

SESAME WORKSHOP India

www.sesameworkshopindia.org

SESAME STREET, SESAME STREET street sign, GALLI GALLI SIM SIM, design, associated characters, trademarks and design elements are trademarks owned and licensed by Sesame Workshop IUSAJ. ©2020 Sesame Workshop. All rights reserved including rights of reproduction in whole, in part or in any form.